एक नजर में

सिंघाना पुलिस को मिली बड़ी सफलता

सिंघाना पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। मध्य रात्रि को पुलिस ने दो संदिग्ध युवक को गिरफ्तार किया, प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को मध्य रात्रि में चौकी सिंघाना को मुखबिर के द्वारा सूचना प्राप्त हुई थी कि दो व्यक्ति पिपली फाटे पर यात्री प्रतीक्षालय में काला बैग लेकर बैठे हुए हैं बैग में स्थानीय सिकलीगरों से अवैध फायर आर्म्स देसी पिस्टल खरीद कर रखे हुए हैं जो बस का इंतजार कर वहां से निकलने वाले हैं जिस पर पुलिस चौकी के फोर्स की सहायता से दोनों को पकड़ा, पूछताज करने पर उन्होंने अपना नाम परविंदर पिता देविन्द्र सिंह उम्र 20 साल व रोमन प्रीत सिंह पिता सोना सिंह उम्र 19 साल दोनों निवासियों चोहला साहिब जिला तरन तारन पंजाब का होना बताया उनके कब्जे में रखे बैग को चेक करते पांच हैंडमेड देसी पिस्टल बरामद कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है पिस्तौलों की कुल कीमत ?100000 आकी गई है थाना मनावर पर अपराध आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीकृत कर विवेचना में लिया गया। दोनों आरोपियों से पूछता जारी है। सिंघाना चौकी प्रभारी सुशील यदुवंशी की पूरी टीम का आरोपियों को पकड़ने में सहयोग रहा है।

हवाओं के साथ तेज बारिश ने गरबा पांडाल धराशाही, गरबा करने वाले हुए निराश

बाकानेर-सोमवार को नवदुर्गा उत्सव का पहला दिन था गरबा उत्सव समिति वालों में पंडालों की आकर्षक सजावट की वहीं गरबा खेलने वालों में काफी उत्साह था लेकिन अचानक शाम को मौसम ने करवट बदली और तेज हवा आंधी के साथ मूसलाधार बारिश ने ग्राम के सभी गरबा पंडालों को तरबतर कर दिया ।श्री 64 जोगनी माता मंदिर परिसर में बने गरबा पांडाल तेज हवा के कारण गिर गया विद्युत रोशनी सजावट में भी नुकसान हुआ । ऐसे में आयोजनों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। बारिश के बावजूद भी माता भक्तों की भक्ति में कोई कमी नजर नहीं आई नवरात्रि उत्सव समिति के आयोजनों ने गरबा पंडालों में भरा पानी को निकाल कर सुखा किया उसके बाद रात्रि 10:00 बजे महिलाओं द्वारा माता की आराधना कर गरबा खेला गया ।मौसम विभाग की मानें तो 3 दिनों से बंगाल की खाड़ी के ऊपरी हिस्सों में चक्रवाती हवाओं का प्रभाव बना हुआ है, जिससे बारिश का सिस्टम प्रदेश में सक्रिय हो गया है और पूरे प्रदेश में 10 अक्टूबर तक बारिश होने के पूरे आसार हैं. बाकानेर में सोमवार को आधे घंटे से अधिक समय से पानी के मोटी बूंदों के साथ बारिश हुई ऐसे में कई जगह जलजमाव की भी स्थिति हो गई है और विभिन्न पूजा पंडाल गीले हो गए।

सहकारी साख संस्थाओं में विश्वास जरूरी प्रत्याशा रघुवंशी रघुवंशी

धार / किसी भी सहकारी साख संस्था के कार्यों में सदस्यों का विश्वास होना आवश्यक हे तभी संस्था की प्रगति और संचालकों की कार्य प्रणाली वार्षिक साधारण सभा में सबके सामने दिखती हे, उक्त बाते सदगुरु साख संस्था की बत्तीस वीं वार्षिक साधारण सभा के दौरान सहायक पंजीयक (अंकेक्षण) कार्यालय उपयुक्त सहकारिता विभाग के प्रतिनिधि के रूप में शामिल सुश्री प्रत्याशा रघुवंशी ने कही, उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शासन और विभाग द्वारा सभी सहकारी साख संस्थाओं को समय समय नियमो के संबंध में जानकारी एवं सुझाव दिए जाते हे जिन्हें संस्थाओं को लागू करने का प्रयास करना चाहिए, वार्षिक साधारण सभा का शुभारंभ मुख्य अतिथि सुश्री प्रत्याशा रघुवंशी,संस्था के अध्यक्ष दत्तात्रय मुकादम, डा मोदीराम चौधरी,अध्यक्ष श्री अंबिका साख सहकारी संस्था,वरिष्ठ संचालक गोविंद मुकादम,उपाध्यक्ष ,प्रकाश फाटक सहित संचालक मंडल के सदस्यों ने सदगुरु दत्तात्रय व भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर किया कार्यक्रम में आरम्भ में संस्था प्रबंधक रूपेश सुर्वे ने सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर व पुष्प मालाओं से स्वागत किया,वार्षिक साधारण सभा की कार्यवाही के दौरान लेखा संपरीक्षक की रिपोर्ट तथा वर्ष 2023/24/25 का वाचन वरिष्ठ संचालक गोविंद मुकादम ने किया,साथ ही संचालक मंडल द्वारा बैठकों के माध्यम से लिए गए नीति गत निर्णयों से सदस्यों को अवगत कराया जिसे सदस्यों ने करतल ध्वनि के साथ अनुमोदित किया ,संस्था प्रबंधक रूपेश सुर्वे ने वर्ष 2024/25 के वित्तीय पत्रों का वाचन किया, वहीं आगामी वित्तीय वर्ष 2025/26 के क्रिया कलापों के संबंध ने निदेशक अजय निरखे ने सदस्यों को अवगत कराया, साधारण सभा में पिछत्तर वर्ष (75वर्ष) के वरिष्ठ सदस्यों के साथ कक्षा दसवीं बारहवीं,स्नातक स्नातकोत्तर,डिप्लोमा, सीए की प्रतिभावान छात्र छात्राओ का शाल श्रीफल और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया इस अवसर पर प्रबुद्ध नागरिक सम्मान की श्रृंखला में पिछले 20वर्षों से शिक्षा जगत में कार्यरत, भारत निर्वाचन आयोग के राष्ट्रीय स्तर पर मास्टर ट्रेनर, मप्र शासन द्वारा मप्र लोक सेवा आयोग में प्रति नियुक्ति पर परीक्षा उप नियंत्रक जैसे महत्वपूर्ण पद पर अपने दायित्व का निर्वहन कर रहे डॉ गजेंद्र उज्जैनकर का अतिथियों ने शाल श्रीफल और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया! कार्यकम का संचालन प्रवीण उज्जैनकर ने किया तथा आभार संस्था प्रबंधक रूपेश सुर्वे ने माना

पोरवाड़ समाज ने धूमधाम से निकाली चुनरी यात्रा

कुक्षी ।शक्ति की भक्ति के पर्व नवरात्रि के प्रथम दिवस सोमवार को श्री दशा वैष्णव पोरवा? समाज नें झमाझम बारिश के बीच डीजे ढोल नगा?े के साथ धूमधाम से नगर मे चुनरी यात्रा निकाली ।यात्रा मे मातृशक्ति के साथ युवा जमकर नृत्य करते हुए चल रहे थे .चल समारोह समाजसेवी महेश भाई गुप्ता के निवास स्थान से निकला जिसका अनेक स्थानों पर पुष्पवर्षा और मिष्ठान से समाजजनों नें स्वागत किया .चल समारोह का समापन मंदिर पंडाल में माता रानी की घट स्थापना व आरती पूजा के साथ हुआ ।सार्वजनिक पांडाल जवाहर चौक,लक्ष्मी मंदिर,पाटीदार चौक स्थित अम्बे मंदिर,आई माताजी मंदिर,गायत्री मंदिर,सुतार मोहल्ला,स्वर्णकार समाज आदि के साथ नगर मे उत्सवी माहौल दिखाई दिया ।पोरवा? समाज के अध्यक्ष उत्सव लाल गुप्ता की अगुवाई मे निकली यात्रा मे महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती साधना अनिल गुप्ता, नवयुवक मंडल अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता,वरिष्ठ समाजसेवी राणाप्रताप गुप्ता,राजेन्द्रसाजी गुप्ता,आनंद गुप्ता,नीरज गुप्ता,दीपक गुप्ता,एडवोकेट राजेंद्र गुप्ता,सोनू गुप्ता,वीरेंद्र गुप्ता,कैलाशचंद्र गुप्ता,राजेंद्र गुप्ता बुक,गुड्डा भाई गोल?न,जेपी गुप्ता,आदि के साथ मातृशक्ति,बच्चे ब?ी संख्या मे समाजजन मौजूद थे .गरबो को लेकर उत्साहित मातृशक्ति झमाझम बारिश के चलते गरबा नृत्य की प्रस्तुति नही दे सकी।

आस्था और विश्वास का प्रतीक माँ हरसिद्धि का पावन धाम जहां भक्तों की होती है मनोकामना पूरी

मनावर ।(निर्मल जौहरी) इस वर्ष शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर सोमवार को घट स्थापना के साथ प्रारंभ हो गई। इस बार माँ दुर्गा का आगमन हाथी पर हुआ। हाथी पर माँ दुर्गा का आगमन बहुत शुभ माना जाता है। यह सुख, शांति, समृद्धि और ऐश्वर्य का प्रतीक है तथा 01 अक्टूबर 2025 को नवमी तिथि तथा 02 अक्टूबर 2025 गुरुवार को विजयादशमी के उत्सव के साथ नवरात्र का पर्व संपन्न होगा। मंदिरों में श्रद्धा और भक्ति का दौर शुरू हो गया। प्रातःकाल से दर्शनार्थियों की भीड़ जुटना शुरू हो जाती है। रात को गरबा नृत्य का कार्यक्रक होता है। जो देर रात तक तक चलता है।

*हरसिद्धि मंदिर जहां भक्तों की हर मनोकामना होती है पूरी- मनावर से 15 किलोमीटर दूर ग्राम सिंघाना में मनावर रोड पर मां हरसिद्धि का हजारों वर्ष पुराना पत्थरों से निर्मित अति प्राचीन मंदिर है। माना जाता हैं कि यह मंदिर पांडव काल से भी पुराना है। इसे मां हरसिद्धि शक्ति पीठ के रूप में जाना जाता है। यहां भक्तों की हर मनोकामनाएं पूरी होती है। इस मंदिर में सिद्धि दात्री मां हरसिद्धि और मां सरस्वती (सरसिद्धि) की दो प्रतिमाएं विराजित हैं। पांडव काल में अज्ञात वास के समय पांडवों ने मां हरसिद्धि का जलाभिषेक नर्मदा नदी से जल लाकर किया था। मान्यता है कि यहां पर आने वाले हर भक्त की मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है। यहां वर्ष भर दर्शनार्थियों का तांता लगा रहता है। यहां नवरात्र में यहां विशेष धार्मिक अनुष्ठान तथा कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

भक्तों को तीन रूपो में होते है माताजी के दर्शन- *पंडित अनिल पांडे* ने बताया कि यहां स्थापित मां हरसिद्धि की प्रतिमा तीनों पहर अपना स्वरूप बदलती है। प्रात-काल में बाल्यावस्था, दोपहर में युवा अवस्था और शयन आरती के समय श्रद्धालुओं को मां शक्ति स्वरूपा अपने वृद्धावस्था में दर्शन देती है। यहां पर भगवान पंचायत गणेश, महादेव, खेड़ापति हनुमान, भैरवनाथ विराजमान है। मंदिर में एक बाव?ी बनी हुई थी, जिसमें खुदाई के समय जीर्ण-शीर्ण अवस्था में कई मूर्तियां प्राप्त हुई थी। ग्राम सिंघाना में मां हर सिद्धि की कृपा से 4 कुंड 84 बावड़ी है। इस गांव में साढ़े बारह हनुमान भी विराजित हैं। आज भी मां हर सिद्धि मंदिर में अष्टमी के हवन के बाद ग्राम पंचायत खेड़ापति हनुमान को तेल सिंदूर चढ़ाती है।

पुजारी शेखर पांडे ने बताया कि महाअष्टमी पर नवरात्रा महोत्सव समिति द्वारा पंचायत भवन से विशाल चुनरी यात्रा निकाली जाती है। महाअष्टमी पर हवन होता है जिसमें मंडलोई परिवार सैकड़ों वर्षों से आहुति देते आ रहे हैं। मां हरसिध्दि मंदिर परिसर में वर्षभर अनेक सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन होते हैं। विशेष रूप से दोनों नवरात्रियाँ बड़े धूमधाम से मनाई जाती हैं। परंपरानुसार ग्राम प्रत्येक घर से श्रद्धा एवं आस्था का अंश माँ के दरबार तक पहुँचता है। जिससे यह महायज्ञ पूरे क्षेत्र का सबसे पावन अनुष्ठान माना जाता है। महायज्ञ की महिमा अद्वितीय है ।ग्राम पंचायत सिंघाना के *उप सरपंच ने बताया कि माँ हरसिद्धि मंदिर में समय-समय पर किए गए निर्माण कार्यों एवं मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण से यह स्थान भक्तों के लिए आस्था, श्रद्धा और आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन चुका है। जिसमें 46 बाय 100 फिट का सामुदायिक भवन, गांव से मंदिर तक का सीसी रो? बगीचा का निर्माण कर बच्चों के लिए झूले, पेवर्स, पानी की सुविधा, तथा सार्वजनिक शौचालय की व्यवस्था श्रद्धालुओं के लिए की गई है। आगे भी मंदिर परिसर में विभिन्न विकास कार्यों की योजना बनाई गई है ताकि यहाँ आने वाले भक्तों को अधिक सुविधा और आध्यात्मिक वातावरण मिल सके।

मंदिर परिसर में भव्य प्रवेश द्वार आगामी समय में बनाया जाना प्रस्तावित है। मंदिर में प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु दर्शन हेतु आते हैं। विशेषकर नवरात्रि महोत्सव के अवसर पर यहाँ अपार भीड़ उमड़ती है। नवरात्र के सात दिनों में लगभग 10,000 से अधिक भक्त माँ के दर्शन करते हैं, जबकि महाअष्टमी और नवमी के दिन यह संख्या बढ़कर 25,000 से ऊपर पहुँच जाती है। नवरात्रि के अवसर पर देशभर से भक्तगण यहाँ पहुँचते हैं। यहां पर गुजरात और इंदौर से आने के लिए सुगम सड़क मार्ग है। दूर दूर से श्रद्धालुजन मनोकामना लेकर आते है। मंदिर का संचालन सामूहिक समितियों के माध्यम से किया जाता है। नवरात्र महोत्सव का आयोजन माँ हरसिद्धि मंदिर नवरात्रा महोत्सव समिति द्वारा तथा द्वादश के शुभ दिन महा भंडारे का आयोजन माँ हरसिद्धि मंदिर भंडारा समिति की देखरेख में होता है। इन दोनों समितियों के साथ संपूर्ण नगर के जनमानस का सहयोग और माँ भगवती का आशीर्वाद सदैव बना रहता है जिनके आशीष और सार्थक भाव से हम इस कार्य को कर पा रहे है। मंदिर को भव्य और सुंदर बनाने में ग्राम वासियों का बड़ा योगदान रहा है। जनसहयोग से ग्राम पंचायत द्वारा कई विकास के कार्य कराए गए जिससे सिंघाना की पहचान मां हरसिद्धि के नाम से बनी हुई है। नवरात्रि में नौ दिनों तक मेले का आयोजन होता है। मंदिर परिसर में रात 8 बजे से गरबा प्रारंभ होकर देर रात्रि तक चलता है। भजन संध्या तथा जगराता का भी भव्य आयोजन किया जाता है।

मंदिर परिसर में दो गुफा द्वार-ग्राम सिंघाना के बुजुर्ग बताते कि आज भी मंदिर प्रांगण में गुफा मार्ग है। जो बाग गुफा और मांडव गुफा से जुड़ा हुआ है। कई लोग यहां कुल देवी के रूप में माता का पूजन करते है। विशेष रूप से मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान आदि कई प्रदेशों से श्रद्धालुजन अपनी आराध्य कुलदेवी का पूजन करने आते है।

मास्टर ऑफ द बेस्ट क्राफ्ट अवॉर्ड से सम्मानित हुए भारत के मोहम्मद खत्री

उज़्बेकिस्तान में कोकन अंतर्राष्ट्रीय हस्तशिल्प महोत्सव में बाग प्रिंट कला का लहराया परचम

बाग भारत की अनमोल धरोहर और मध्य प्रदेश के धार जिले की शान बाग प्रिंट ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर अपनी चमक बिखेरी है। उज़्बेकिस्तान के ऐतिहासिक शहर कोकन में 19 से 21 सितंबर तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय हस्तशिल्प महोत्सव 2025 में बाग प्रिंट के युवा शिल्पकार मोहम्मद खत्री ने अपनी अद्भुत कारीगरी से सबका मन मोह लिया। इस महोत्सव में 70 देशों के 278 मास्टर कारीगरों ने भाग लिया, वहीं भारत से केवल 2 शिल्पकार आमंत्रित हुए।

महोत्सव में विशेष आकर्षण का केंद्र बने मोहम्मद खत्री को उनकी बाग प्रिंट कला और परंपरा के संरक्षण हेतु 卐मास्टर ऑफ द बेस्ट क्राफ्ट卐 के सम्मान से नवाजा गया। यह खिताब उन्हें उज़्बेकिस्तान के फरगना रीजन के गवर्नर खैरुल्लो बोज़ारोव ने प्रदान किया। विदेशी फैशन डिजाइनर्स और कला समीक्षकों ने भी माना कि खत्री की बाग प्रिंट कला 卐विश्वस्तरीय फैशन का भविष्य卐 है और इसे सस्टेनेबल टेक्सटाइल की दिशा में ऐतिहासिक कदम कहा।

यह पहला मौका नहीं है जब मोहम्मद खत्री ने भारत का नाम ऊँचा किया हो। वर्ष 2017 में उन्हें बैंकॉक (थाईलैंड) में इंटरनेशनल फैशन डिजाइनर क्रिएशन अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। वहीं मलेशिया के कुआलालम्पुर इंटरनेशनल क्राफ्ट्स फेस्टिवल में भी उन्होंने बाग प्रिंट की अद्वितीय छाप छोड़ी थी। भारत में भी मोहम्मद खत्री निरंतर बाग प्रिंट की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। देशभर में कई राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में उन्होंने अपनी कला से दर्शकों का दिल जीता है।

मोहम्मद खत्री ने बाग प्रिंट की कारीगरी अपने दादा बाग प्रिंट के जनक शिल्प गुरु इस्माइल सुलेमानजी खत्री, उनके पिता अब्दुल कादर खत्री एवं माता रशीदा बी खत्री से सीखी। उनके पिता अब्दुल कादर खत्री भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित मास्टर कारीगर रहे हैं, जिन्हें भारत सरकार का राष्ट्रीय पुरस्कार, युनेस्को एवं वर्ल्ड क्राफ्ट्स काउंसिल का 卐अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस卐, और राज्य स्तरीय पुरस्कार प्राप्त हो चुका है।

अपनी सफलता पर मोहम्मद खत्री ने कहा -

इस सम्मान के पीछे मेरे पूर्वजों की मेहनत, मेरे परिवार की परंपरा और भारत की मिट्टी की खुशबू है। बाग प्रिंट सिर्फ एक कला नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति की पहचान है। इस कला को मैं दुनिया के कोने-कोने तक पहुँचाना चाहता हूँ ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी अपनी परंपरा और संस्कृति से जुड़ी रहें।

एकलव्य हॉस्टल के बच्चे एसडीएम से मिलने मनावर पहुंचे समझाईस इसके बाद बस से वापस आए

३गंधवानी निप्र गंधवानी के एकलव्य बालक हॉस्टल के सैकड़ो बच्चे एसडीएम मनावर से मिलने के लिए पैदल निकले यह बच्चे सुबह 7 बजे हॉस्टल परिसर से निकलकर पैदल मनावर जा रहे थे तभी लगभग 15 किलोमीटर दूर लुनेरा में एसडीएम प्रमोद गुर्जर सामने की ओर से आए और बच्चों की बात को सुना और उन्हें समझाया बस से वापस स्कूल और हॉस्टल परिसर छोड़ा यहां पर हॉस्टल में तहसीलदार मुकेश मालवीय भी पहुंचे थे जिन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया और प्रतिवेदन तैयार किया अब यह प्रतिवेदन एसडीएम के पास कार्रवाई के लिए भेजा जाएगा मामले में हॉस्टल के बच्चों ने बताया कि शिक्षक सौरभ महाजनी हमारा गला पकड़ कर जाति सूचक शब्द कहते हैं गला दबाते हैं मारपीट भी करते हैं जिससे हम परेशान हो गए इन्हें यहां से हटना चाहिए बच्चों में बहुत ज्यादा आक्रोश हे बच्चों के द्वारा तेल साबुन नहीं मिलना और सुविधाओं की कमी भी बताई साथ ही भोजन को लेकर भी कमी बताइ यहां पर लगातार तीसरी बार ऐसा मौका है जब बच्चों को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ा पूर्व में भी दो बार बच्चों ने यहां पर समस्याओं को लेकर ऐसे ही धरना प्रदर्शन किया था इस बार तो पैदल ही एसडीएम से मिलने के लिए निकल गए थे मामले को लेकर अधिकारियों के द्वारा शिक्षकों की बैठक ली और उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश भी प्रदान कीए इनका कहना है। मामले में बच्चों से चर्चा की है निरीक्षण किया है सारी रिपोर्ट बनाकर एसडीएम के यहां पर कार्रवाई को लेकर भेजेंगे। मुकेश मालवीय तहसीलदार गंधवानी

अग्रसेन जयंती पर अग्रवाल समाज की भव्य शोभायात्रा

धार ।अग्रवाल समाज धार द्वारा महाराजा अग्रसेन की 5149वीं जयंती पर सोमवार शाम को रिमझिम बारिश में शानदार शोभायात्रा निकाली। अग्रवाल समाज धार के तत्वाधान में आयोजित यात्रा अग्रसेन चौक से प्रारंभ हुई

शोभायात्रा में बैंड-बाजों के साथ महाराजा अग्रसेन को फूलों से सुसज्जित रथ पर सवार कर धार नगर के मुख्य मार्गो से निकाला गया जो नगर आकर्षण का केन्द्र रहा ।पूरी शोभायात्रामार्ग पर भव्य आतिशबाजी की गई ।समाज के पुरुष सफेद कुर्ता-पजामा में चल रहे थे। लाल चुनरी पहने महिलाएं भी बड़ी संख्या में शामिल हुई। युवक-युवतियों ने गरबा नृत्य किया। बैंड की मधुर धुनों ने माहौल को संगीतमय बना दिया।

यात्रा का धार शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए अग्रसेन चौक पहुंची। मार्ग में विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया वही समाजजनों ने महाराजा अग्रसेन एवं लक्ष्मी जी की प्रतिमा का पूजन अर्चना कर जगह जगह आशीर्वाद लिया

एक नजर

लेड गांव के शुभम व्यास देंगे अमेरिका में तबला प्रस्तुति

सरदारपुर . एक छोटे से पंडित व्यास परिवार निकाला शुभम व्यास ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि अपना प्रदेश एवं विदेश में भी अपनी कला के जलवे विदेश में दिखाएगा,,जिले की सरदारपुर तहसील के गांव लेडगांव निकलकर शुभम पिता पुरुषोत्तम व्यास ने पिता से प्रेरित संगीत में रुचि ली ।बचपन से अपनी संगीत की प्रति अटूट लगन और कड़ी मेहनत से अपने आपको इस काबिल बनाया ।आपने शुरुआत में गाँव के आस पास संगीत से क्षेत्र में

निरंतर नाम हासिल किया, फिर आपने संगीत के तबला विषय में शिक्षा अर्जित कर तबलावादन में रू की डिग्री एवम् अन्य प्रमाण पत्र प्राप्त किए, आपने ट्रिनिटी कॉलेज ऑफ लंदन से ड्रम्स की डिग्री हासिल की,

आप ताल वाद्य में तबला, ढोलक ,कांगो, ड्रम, जैसे कई ताल वाद्य बजाने में माहिर है जिसके फलस्वरूप आपने भारत देश के कला जगत ि?ल्मी संगीत मुम्बई में इंडियन आइडल ,सा रे गा मा फेम अपने गुरु श्री गिरीश विश्वा से ढोलक की तालीम हासिल की और भी कई ब?ी हस्तियों के साथ मंच साझा किया मुम्बई के अलावा भी विभिन्न स्थानों पर अपनी कला का प्रदर्शन किया । चहुमुखी प्रतिभा के

इस कलाकार ने विभिन्न वाद्य यंत्रों में खुद को पारंगत किया है, कठोर साधना एवम् तपस्या से आप अभी भारत से अमेरिका टूर पर दो महीने की संगीत यात्रा पर निकले है, आप अमेरिका में रियलिटी शो के गायक व्रज क्षत्रिय,बालिन व्यास,कृशानी ग?वी

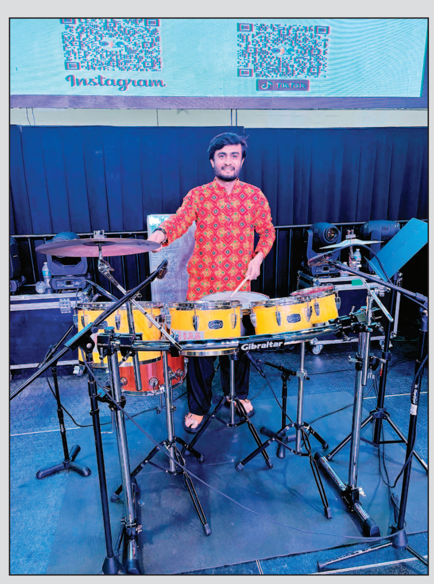

गायक के साथ शिव एंटरटेनमेंट बरो?ा के हार्दिक पटेल,नेशनल प्रोमोटर ? एंटरटेनमेंट के आशीष पटेल के सानिध्य में डलास टेक्सास, टेम्पा, फ्लोरिडा,एटलांटा,ह्यूस्टन ,ऑरलैंडो,न्यूजर्सी, न्यूयॉर्क जैसे

और भी अमेरिका में अन्य शहर अलग अलग जगह अपनी कला की प्रस्तुति देंगे,आपने गणेश उत्सव में अपनी प्रस्तुति दी, अब आप शारदीय नवरात्री में डांडिया गरबा में भारतीय संगीत की झलक को अमेरिका में प्रस्तुत करेंगे,

गांव व आस पास सरदारपुर तहसील में संगीत सेवकों को आपके लिए अत्यंत हर्ष है।।। खुशी की लहर है आपके इस कार्य से लेड़गांव नगर ही नहीं,सरदारपुर तहसील , धारजिला भी गोरावीत हुआ है धारजिले का नाम अन्यपदेशों में रोशन कर रहे हे जो,धार के लिए गर्व एवंगोरव की बातहे इस उपलब्धिक लिए परिवार एवं ,,लेड गांव,नगर एवं सरदारपुर तहसील पत्रकार संघ आपको बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएंदेता है जो आपकी कड़ी मेहनत एवं लगन से सरदारपुर तहसील,का नामरोशन किया हम आपको बता दें कि गांव से निकलकर युवका किसी कार्य को लेकर नगर से जिले तक जाने में ही बचपन जवानी बुढ़ापा बित जाता है फिर भी उसके किए गए कार्य की प्रशंसा नहीं होपाती है माता-पिता एवं नवदुर्गा केआशर्वाद से शुभम व्यास अमेरिकामे नवदुर्गा उत्सव में अपनीकाला दिखाराह है जोकी अपने आप में काबिले तारीफहे संपूर्ण धार जिले के लिए गर्वकी बातहे